CHAHAL ACADEMY
LEARN TODAY! LEAD TOMORROW!
96259-93995

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे	अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दें :
Answer the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) लॉक के संदर्भ में द्वितीयक गुणों की अवधारणा को लागू करने की तार्किक आवश्यकता क्या है? कारणों सहित उत्तर दें।
What is the logical necessity for Locke to introduce the concept of secondary qualities? Give reasons for your answer.

(b) डेकार्ट द्वारा प्रस्तावित आत्म-सिद्धान्त के मत पर कान्ट की आलोचना की समीक्षा करें।
Examine Kant's criticism on Descartes' view of Self.

(c) निजी भाषा की संभावना को विट्गेन्सटाइन क्यों अस्वीकार करते हैं?
Why does Wittgenstein reject the possibility of private language?

(d) सत्यापन सिद्धान्त की व्याख्या करें। क्या यह तत्त्वमीमांसा के निष्कासन की ओर अग्रसर करता है?
Explain verification theory. Does it lead to elimination of metaphysics?

(e) काइन द्वारा प्रस्तावित विश्लेषणात्मक-संश्लेषणात्मक भेद पर आलोचनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करें।
Discuss Quine's attack on the analytic-synthetic distinction.

2. (a) क्या अरस्तू भौतिक द्रव्य को 'तत्त्व' के रूप में स्वीकार करते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क प्रस्तुत करें।
Does Aristotle treat matter as a 'Substance'? Give reasons for your answer. 20

(b) कारण तथा प्रभाव के सम्बन्ध पर ह्यूम के विचारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
Critically examine Hume's views on the relation of cause and effect. 15

(c) सार्त्र की 'अवस्तुता' का बोधात्मक विवेचन करें।
Discuss Sartre's notion of 'Nothingness'. 15

3. (a) क्या प्लेटो का 'आकार सिद्धान्त' भौतिक द्रव्य में 'परिवर्तन' और 'संवेद्यार्थता' की व्याख्या कर पाता है? अपने उत्तर के लिए तर्क प्रस्तुत करें।
Does Plato's 'Theory of Form' explain the 'change' and 'sensibility' of matter? Give reasons for your answer. 20

(b) कान्ट के अनुसार 'विशुद्ध प्रज्ञप्तियाँ' क्या हैं? ज्ञान की प्रक्रिया में विशुद्ध प्रज्ञप्तियों की भूमिका का परीक्षण करें।
What, according to Kant, are 'pure concepts'? Examine their role in the process of knowing. 15

(c) रसल के इस दृष्टिकोण की व्याख्या करें कि "भौतिक वस्तु इन्द्रिय-दत्त की तार्किक संरचना है"। वह अपने तत्त्वमीमांसीय दृष्टिकोण को 'तटस्थ एकत्ववाद' क्यों कहते हैं?
Explain Russell's view that "the physical object is a logical construction from sense-data". Why does he call his metaphysical view 'neutral monism'? 15

4. *(a)* हुसर्ल के अनुसार दार्शनिक का क्या कार्य है? क्या आप यह मानते हैं कि उनकी विधियाँ दर्शन के लिए प्रासंगिक हैं? वर्णन करें।
What, according to Husserl, is the task of a philosopher? Do you think his methods are relevant to philosophy? Discuss. 20

(b) ईश्वर के विषय में हेगेल का क्या विचार है? क्या उनकी ईश्वरवादी व्याख्या औपनिवेशिक तथा साम्राज्यिक विस्तारवाद डिजाइन की प्रक्रिया में सहायक मानी जा सकती है? स्पष्ट करें।
What is Hegel's view on God? Do you think that his interpretation of God was contributive to the colonial and imperial expansionist designs? Explain. 15

(c) ईश्वर को लेकर तर्कबुद्धिवादियों और अनुभववादियों के विभिन्न मतों की व्याख्या करें।
Discuss the various stances on God taken by Rationalists and Empiricists. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में उत्तर दें :
Answer the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) जैन और योग दर्शन में परिचर्चित 'कैवल्य' की अवधारणा के मध्य भेद स्थापित करें।
Differentiate the concept of 'Kaivalya' as discussed in Jaina and Yoga philosophies.

(b) 'क्षणिकवाद' किस प्रकार 'नैरात्म्यवाद' के लिए प्रस्तुत युक्तियों को प्रबल बनाता है? स्पष्ट करें।
How does 'Kṣaṇikavāda' strengthen the arguments for 'Nairātmyavāda'? Explain.

(c) सृष्टि के विकास की प्रक्रिया में 'प्रकृति' की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
Critically examine the role of 'Prakṛti' in the process of evolution.

(d) जैन दर्शन के अनुसार 'नय' अवधारणा का परीक्षण करें। यह किस प्रकार 'स्याद्वाद' से भिन्न है?
Examine Jaina stance of 'Naya'. How does it differ from 'Syādvāda'?

(e) ईश्वर के संदर्भ में शंकर की स्थिति का मूल्यांकन करें।
Evaluate Śaṅkara's position on Īśvara.

6. *(a)* क्या 'प्रतीत्यसमुत्पाद का सिद्धान्त' कार्य-कारणता के नियम के दो अतिवादी विचार, सत्कार्यवाद और असत्कार्यवाद, में समन्वय कर पाता है? अपने उत्तर के लिए तर्क प्रस्तुत करें।
Does the 'Doctrine of Dependent Origination' reconcile the two extreme views on the law of causation, namely Satkāryavāda and Asatkāryavāda? Give reasons for your answer. 20

(b) क्या जैन दर्शन के 'तत्त्वार्थ' सिद्धान्त को वैज्ञानिक स्पष्टीकरण की दृष्टि से स्वीकार किया जा सकता है? स्पष्ट करें।
Can the 'Tattvārtha' theory of Jainism be acceptable for scientific explanations? Explain. 15

(c) क्या 'आत्मवाद' का सिद्धान्त आधुनिक वैज्ञानिक व तर्क के युग के परिप्रेक्ष्य में स्वीकार्य है? भारतीय दर्शन के संदर्भ में इसकी समीक्षा करें।

Is the doctrine of 'Self' acceptable in the modern age of science and reason? Examine the view in the light of Indian philosophy. 15

7. (a) 'विकास' और 'अन्तर्लयन' सम्बन्धी अरविंद के विचारों की विवेचना करें। ये किस प्रकार पारम्परिक योग दर्शन से भिन्न हैं?

Discuss Aurobindo's views on 'Evolution' and 'Involution'. How do they differ from traditional Yoga philosophy? 20

(b) व्याप्ति पर चार्वाक का दृष्टिकोण क्या है? क्या यह दृष्टिकोण नैयायिकों को स्वीकार्य है? कारणों सहित अपना उत्तर प्रस्तुत करें।

What would be Cārvāka's view on Vyāpti? Can this view be acceptable to the Naiyāyikas? Give reasons for your answer. 15

(c) मीमांसकों द्वारा 'अर्थापत्ति' को स्वतन्त्र प्रमाण के रूप में समझने की क्या तार्किक आवश्यकता है? विवेचना करें।

What is the logical necessity for the Mīmāṁsakas to treat 'Arthāpatti' as an independent Pramāṇa? Discuss. 15

8. (a) 'अभाव' को एक स्वतन्त्र पदार्थ के रूप में स्वीकार करने से संबंधित तर्क पर नैयायिकों ने अपनी सहमति कैसे दी? व्याख्या करें।

How do the Naiyāyikas justify the introduction of 'Abhāva' as an independent category? Explain. 20

(b) क्लेश क्या हैं? उनका उन्मूलन कैसे किया जा सकता है? व्याख्या करें।

What are Kleśas? How can these be eliminated? Explain. 15

(c) शंकर, रामानुज और माधव के द्वारा विवेचनीय 'ब्रह्मन्' की अवधारणा का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करें।

Give a critical exposition of the concept of 'Brahman' as discussed by Śaṅkara, Rāmānuja and Mādhava. 15

★★★